

आइआइटी इंदौर में के. सिवन ने कहा, आइआइटी मस्तिष्क, उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह

इंदौर @ पत्रिका. आइआइटी इंदौर ने अपना तीसरा उद्योग संपर्क कार्यक्रम सीएसआर एंड सीआइसी मीट-2024 आयोजित किया।

शुक्रवार को इस मीट में उद्योगपति, शिक्षाविद व समाजसेवी लोगों को कॉर्पोरेट सामाजिक



उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों में विचार साझा करने और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए मंच प्रदान किया गया। आइआइटी इंदौर के शासी मंडल के अध्यक्ष डॉ. के. सिवन मुख्य अतिथि थे। आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने संस्थान की प्रतिबद्धता और उद्योग-शैक्षणिक समुदाय साझेदारी को बढ़ाने में इसके रणनीतिक दृष्टिकोण

पर जोर दिया। डॉ. सिवन ने कहा, कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व या सीएसआर महज अनुपालन व परोपकार से आगे बढ़कर सामाजिक नवाचार और सतत विकास के लिए एकरणनीतिक उपकरण बन गया है। आइआइटी इंदौर जैसे संस्थान समाज की भलाई के लिए शिक्षा जगत और उद्योग के बीच सहयोग को बढ़ावा देने वाले मंच बनाने में भूमिका निभा रहे हैं। आइआइटी जैसे शैक्षणिक संस्थान मस्तिष्क हैं और उद्योग मांसपेशियों की शक्ति की तरह हैं, इसलिए इस मस्तिष्क को उपयोगी उत्पाद में कैसे बदला जाए, यह उद्योग का एक हिस्सा है। प्रयोगशालाओं में विकसित टेक्नोलॉजियों को सामाजिक उद्देश्यों के लिए उपयोगी बनाने में उद्योग महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।